The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिश: तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत्त कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office** : Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक–एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है और जन–जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड–खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

HINDI VEDIO DVD

India First

Revolutionary Movement of Vishwa Sant

UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA • Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**